भजन

आशिकी पे आपकी वारी जायें हम
मिल गए हो माया में,भूले सारे गम

1- हमने तुमको पीठ दई फेर फेर फेर
आपने गले लगाया हमको बेर बेर
लाड तेरे इतने पिया सह सकें न हम

2- कहें कैसे मुख से तेरी मेहरबानीयां
हममें देखीं आपने क्या कदरदानियां
दे रहे हो सारा हमें अर्शे आनंद

3- तेरी इस अदा का पता अर्श में न था
समझ बैठी इश्क अपना वहाँ पे बड़ा
इप्तदाए इश्क का शक हुआ है खत्म